III. व्यय विधि
(Expenditure Method)

यह विधि राष्ट्रीय आय को मापने की तीसरी विधि है। इस विधि को अन्तिम व्यय विधि या उपभोग विनियोग विधि (Consumption and Investment Method) के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि इस विधि के अनुसार अन्तिम उपभोग और विनियोग व्यय को जोड़कर राष्ट्रीय आय की गणना की जाती है। संक्षेप में, $Y = C + I$

परिभाषा (Definition)—"व्यय विधि वह विधि है जिसके द्वारा एक लेखा वर्ष में बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद पर किये गये अन्तिम व्यय को मापा जाता है। यह अन्तिम व्यय बाजार कीमत पर **सकल घरेलू उत्पाद** के बराबर होता है।"

व्यय विधि के कदम (Steps in Expenditure Method)—व्यय विधि के अग्रलिखित कदम उठाये जाते है :

Scanned by CamScanner

पहला कदम (First Step)—**अन्तिम व्यय की पहचान** (Identification of Final Expenditure)—यह प्रश्न उठता है कि कौन-सा व्यय **अन्तिम व्यय** है और कौन-सा व्यय **मध्यवर्ती व्यय** है? वस्तुत: इस प्रश्न का उत्तर व्यय की प्रकृति पर निर्भर करता है। यदि एक उद्यमी दूसरी उद्यमी से जो वस्तु या सेवा खरीदता है, उसका प्रयोग दोबारा बेचने के लिए या आगे उत्पादन करने के लिए करता है तो ऐसी वस्तु पर किया गया व्यय **मध्यवर्ती व्यय** कहलायेगा। इसके विपरीत, यदि किसी उद्यमी द्वारा अन्तिम उपभोग या पूँजी निर्माण के लिए वस्तुएँ तथा सेवायें खरीदी जाती है तो उन पर किया गया व्यय **अन्तिम व्यय** कहलाता है।

दूसरा कदम (Second Step)—**अन्तिम व्यय करने वाली आर्थिक इकाइयों की पहचान** (Identification of Economic Units incurring Final Expenditure)—देश की परन्तु सीमा के अन्तर्गत उन सभी आर्थिक इकाइयों द्वारा किये जाने वाले अन्तिम व्यय का वर्गीकरण निम्नलिखित समूहों में किया जाता है—(1) परिवार क्षेत्र, (2) उत्पादक क्षेत्र, (3) सरकारी क्षेत्र तथा (4) शेष विश्व क्षेत्र।

तीसरा कदम (Third Step)—**अन्तिम व्यय की गणना** (Computation of Final Expenditure)—अन्तिम व्यय में निम्नलिखित को सम्मिलित किया जाता है, जैसा कि नीचे चार्ट में दर्शाया गया है :

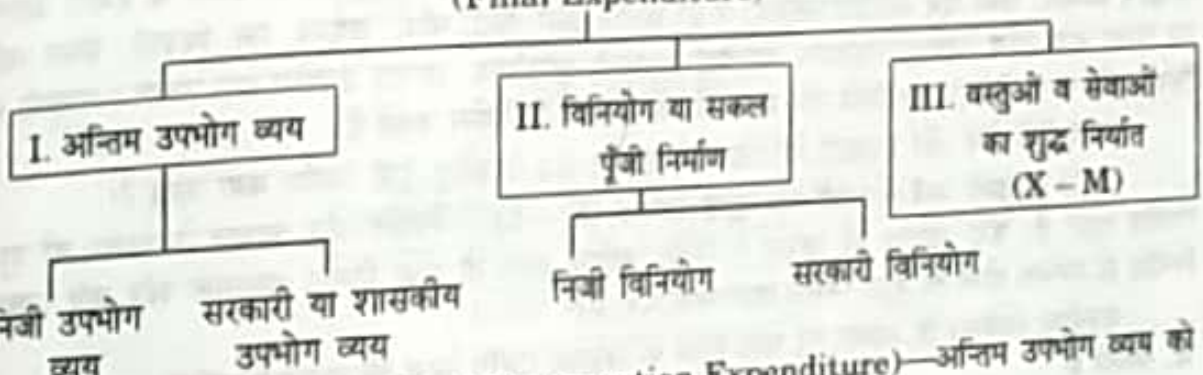

(I) **अन्तिम उपभोग व्यय** (Final Consumption Expenditure)—अन्तिम उपभोग व्यय को निम्न दो भागों में बाँटा जा सकता है :

(अ) निजी उपभोग व्यय (Private Consumption Expenditure)—देश के निवासियों द्वारा अपनी आवश्यकताओं की सन्तुष्टि के लिए किया जाने वाला व्यय उपभोग व्यय है। यह व्यय निम्न प्रकार का हो सकता है :

(1) शीघ्र उपभोग की वस्तुओं पर व्यय; जैसे—खाद्यान्न, पेय पदार्थ इत्यादि। (2) टिकाऊ वस्तुओं पर किया जाने वाला व्यय; जैसे—फर्नीचर, कालीन, रेडियो, वीडियो तथा कार आदि। (3) विभिन्न सेवाओं पर व्यय; जैसे—शिक्षण, मनोरंजन, संचार, परिवहन।

यह भी बताया गया है कि निजी उपभोग पर व्यय विदेशी व्यक्तियों द्वारा उपभोग वस्तुओं पर किये गये व्यय को सम्मिलित नहीं करता। इस प्रकार उपभोग व्यय, सभी वस्तुओं तथा सेवाओं पर किये गये व्यय के योग का प्रतिफल है।

(ब) सरकारी या शासकीय उपभोग व्यय (Government Consumption Expenditure)—सरकारी अन्तिम उपभोग व्यय में मुख्य रूप से तीन मदों को सम्मिलित किया जाता है—(i) कर्मचारियों को दिया गया वेतन, (ii) सरकार द्वारा सामूहिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए वस्तुओं और सेवाओं का शुद्ध क्रय तथा (iii) विदेशों में वस्तुओं और सेवाओं का शुद्ध क्रय।

यह उल्लेखनीय है कि सरकारी उपभोग व्यय में देशी व विदेशी हस्तान्तरण भुगतानों को सम्मिलित नहीं किया जाता।

(II) **विनियोग या सकल पूँजी निर्माण** (Investment or Gross Capital Formation)—एक वर्ष के दौरान अर्थव्यवस्था की पूँजीगत सम्पत्तियों के मूल्य में होने वाली वृद्धि को विनियोग या पूँजी निर्माण कहते हैं। इसमें निजी विनियोग और सरकारी विनियोग सम्मिलित किये जाते हैं :

(अ) निजी विनियोग (Private Investment)—निजी विनियोग के अन्तर्गत अग्रलिखित मदों को सम्मिलित किया जाता है :

Scanned by CamScanner

(i) **मशीन व उपकरण पर व्यय** (Expenditure on Machines and Equipment)— अर्थव्यवस्था की उत्पादन क्षमता में वृद्धि के लिए व्यावसायिक भवनों, मशीनों व उपकरणों का क्रय किया जा है। ये वस्तुएँ उत्पादक होती है और इन्हें विनियोग में सम्मिलित किया जाता है।

(ii) **स्टॉक या माल तालिकाओं पर व्यय** (Expenditure on Inventories)—स्टॉक इन्वेण्टरीज से तात्पर्य किसी विशेष तिथि पर कच्चे माल, अर्द्धनिर्मित एवं तैयार माल के स्टॉक से है। यदि व के अन्त में इस माल में वृद्धि होती है तो वृद्धि के मूल्य को स्टॉक में विनियोग माना जाता है।

स्टॉक में परिवर्तन का अनुमान अन्तिम स्टॉक में से प्रारम्भिक स्टॉक को घटाकर लगाया जाता है अर्थ

स्टॉक में परिवर्तन = अन्तिम स्टॉक – प्रारम्भिक स्टॉक

(iii) **भवन निर्माण पर व्यय** (Expenditure on Building Construction)—भवन निर्मा के दो मुख्य उद्देश्य है—**पहला,** यह टिकाऊ उपभोक्ता वस्तु है जिसमें परिवार आवास करता है; **दूसरा,** भवनों को किराये पर उठाया जाता है जो आय का विशेष साधन भी है। भवन निर्माण कार्य जो निजी विनियो व्यय का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, उसे जी. एन. पी. में शामिल किया जाता है।

(ब) सरकारी विनियोग (Government Investment)—सरकारी विनियोग से हमारा आशय केन्द्रीय सरकार, राज्य एवं स्थानीय सरकारों से है। सरकार द्वारा नहरों, बाँधों, सड़कों, रेल, बिजली, संचार आदि पर किया गया व्यय सरकारी विनियोग कहलाता है। इसके अतिरिक्त, सरकार उपभोग तथा उत्पादन वस्तुओं का निर्माण भी करती है। इस पर किये गये व्यय को भी सरकारी विनियोग कहते है।

निजी विनियोग और सरकारी विनियोग को संयुक्त रूप से घरेलू पूँजी निर्माण कहा जाता है।

(III) **वस्तुओं एवं सेवाओं का शुद्ध निर्यात** (X – M)—निर्यात और आयात के अन्तर को शुद्ध निर्यात कहते हैं। यदि आयात की तुलना में निर्यात अधिक होगा तो शुद्ध निर्यात धनात्मक और यदि आयात निर्यात से अधिक होगा तो शुद्ध निर्यात ऋणात्मक होता है।

उपर्युक्त विवेचन के आधार पर व्यय विधि के अनुसार राष्ट्रीय आय की गणना निम्नलिखित सूत्र द्वारा की जा सकती है :

(A) बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP_{MP}) = निजी अन्तिम उपभोग व्यय (C_n) + सरकार द्वारा अन्तिम उपभोग व्यय (C_g) + निजी विनियोग या पूँजी निर्माण (I_n) + सरकारी विनियोग या पूँजी निर्माण (I_g) + शुद्ध निर्यात (X – M)

अथवा

$$GNP_{mp} = C_n + C_g + I_n + I_g + (X - M)$$

Scanned by CamScanner

उपर्युक्त सूत्र से स्पष्ट है कि परिवारों द्वारा अन्तिम उपभोग व्यय (C_n), सरकार द्वारा अन्तिम उपभोग व्यय (C_g), निजी विनियोग या पूँजी निर्माण (I_n) और सरकारी विनियोग या पूँजी निर्माण (I_g) तथा शुद्ध निर्यात (X – M) को जोड़ देते है तो हमें बाजार कीमत पर सकल राष्ट्रीय उत्पादन प्राप्त हो जाता है।

(B) **बाजार कीमत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद** (NDP at MP)—GNP_{MP} में से मूल्य-ह्रास की राशि घटा देने से हमें NDP_{MP} ज्ञात हो जाता है अर्थात्

$$NDP_{MP} = GNP_{MP} - \text{मूल्य ह्रास}$$

(C) **साधन लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद** (NDP_{FC})—व्यय विधि द्वारा बाजार कीमत पर सकल व शुद्ध घरेलू उत्पाद मालूम होता है। साधन लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद (NDP_{FC}) मालूम करने के लिए NDP_{MP} में से शुद्ध अप्रत्यक्ष कर (अप्रत्यक्ष कर—आर्थिक सहायता) को घटा देना चाहिए अर्थात्

$$NDP_{FC} = NDP_{MP} - \text{शुद्ध अप्रत्यक्ष कर}$$

(D) **साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद** (NNP_{FC}) **या राष्ट्रीय आय** (NI)—साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद या राष्ट्रीय आय मालूम करने के लिए NDP_{FC} में शुद्ध निर्यात (X – M) को जोड़ देते है अर्थात्

$$NI = NDP_{FC} + \text{शुद्ध निर्यात (विदेशों से शुद्ध साधन आय)}$$

Scanned by CamScanner

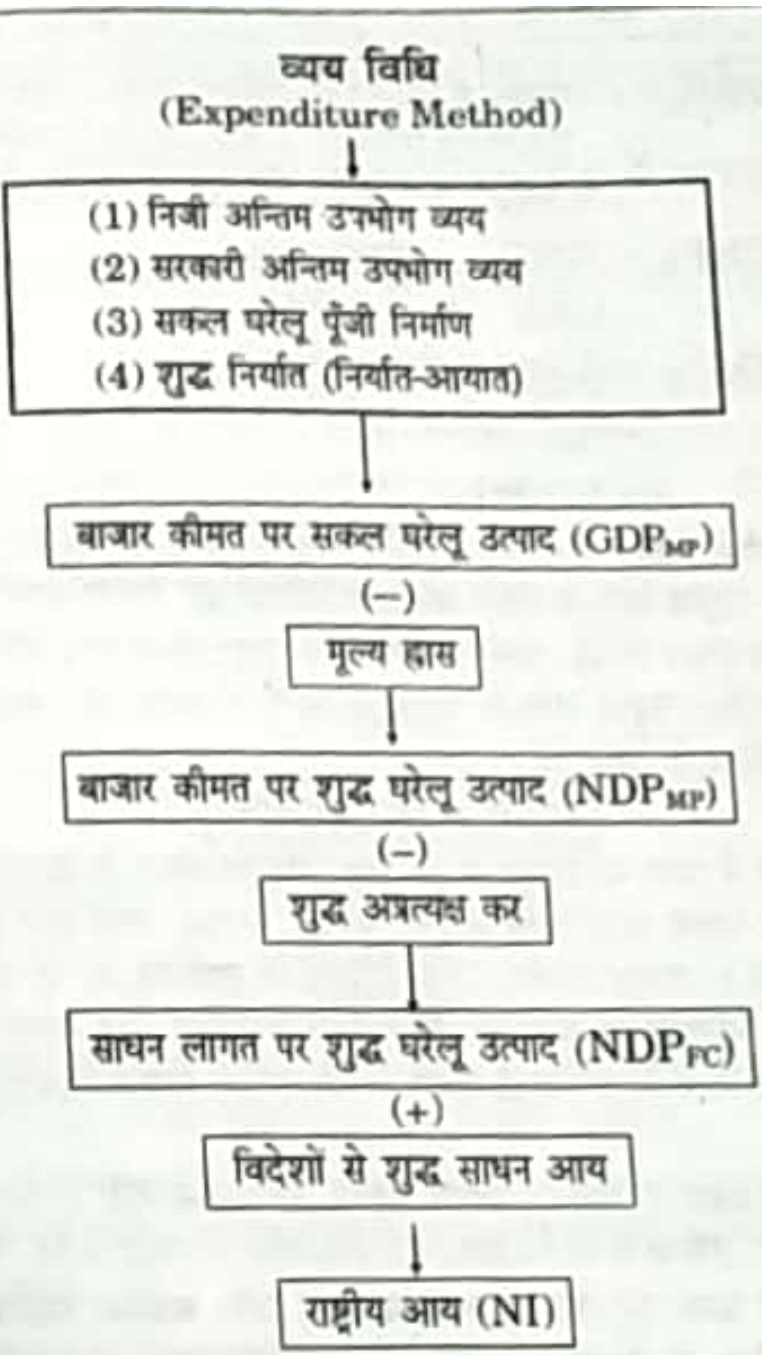

व्यय विधि
(Expenditure Method)

↓

(1) निजी अन्तिम उपभोग व्यय
(2) सरकारी अन्तिम उपभोग व्यय
(3) सकल घरेलू पूँजी निर्माण
(4) शुद्ध निर्यात (निर्यात-आयात)

↓

बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP_{MP})

(–)

मूल्य ह्रास

↓

बाजार कीमत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद (NDP_{MP})

(–)

शुद्ध अप्रत्यक्ष कर

↓

साधन लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद (NDP_{FC})

(+)

विदेशों से शुद्ध साधन आय

↓

राष्ट्रीय आय (NI)

नोट—आय का अनुमान साधन लागत पर लगाया जाता है, जबकि **व्यय** का अनुमान बाजार कीमत पर लगाया जाता है। अत: बाजार कीमत में से अप्रत्यक्ष कर घटा दिये जायें और **आर्थिक सहायता** जोड़ दी जाय तो साधन लागत पर **आय** प्राप्त की जा सकती है।

सावधानियाँ (Precautions)—व्यय विधि के अनुसार राष्ट्रीय आय का अनुमान लगाते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखना चाहिए :

1. पुरानी वस्तुओं पर व्यय को शामिल नहीं करना चाहिए। 2. अंश-पत्र, ऋण-पत्र आदि पर किये गये व्यय को शामिल नहीं किया जाना चाहिए। 3. मध्यवर्ती और अर्द्ध-निर्मित वस्तुओं पर होने वाले व्यय को भी सम्मिलित नहीं करना चाहिए। 4. केवल अन्तिम वस्तुओं व सेवाओं पर किये जाने वाले व्यय को ही सम्मिलित करना चाहिए। 5. सरकार द्वारा पेंशन, छात्रवृत्ति, बेरोजगारी, बीमा, आर्थिक सहायता आदि पर किये जाने वाले व्यय को सम्मिलित नहीं करना चाहिए।

महत्व (Significance)—व्यय विधि अर्थव्यवस्था में उपभोग तथा विनियोग के अनुपात का ज्ञान कराती है और साथ ही अर्थव्यवस्था में विदेशी विनियोग, विदेशी सहायता व विदेशी पूँजी के योगदान का आभास कराती है।

Scanned by CamScanner